Need for uninterrupted power supply in all villages of Mandi, Himachal Pradesh

सुश्री कंगना रनौत **(**मंडी**) :** माननीय सभापति जी, मैं सरकार की सराहना करना चाहती हूँ कि उन्होंने सौभाग्य योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के माध्यम से समस्त भारत में, विशेष रूप से, रूरल एरियाज में विद्युतीकरण के काम किये गये हैं । इसके लिए उनका नेतृत्व बहुत ही सराहनीय है । इसके साथ ही, मैं इस बात की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ कि मेरे संसदीय क्षेत्र मंडी के अंतर्गत कई ऐसी विधान सभाएं हैं, जहाँ हाई ऐल्टिट्यूट के बहुत से छोटे-छोटे क्षेत्र हैं, छोटे-छोटे गांव हैं, बहुत बर्फबारी होती है, वहाँ बहुत ही एक्सट्रीम वेदर रहता है । वहाँ पर पावर ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर बहुत ही पूअर है । वहाँ ट्रांसफॉर्मर्स बार-बार कोलैप्स करते रहते हैं । इसके कारण उन क्षेत्रों में वोल्टेज लो रहता है । जब बर्फबारी या बारिश होती है, तो लम्बे समय तक पावर कट्स होते हैं । इसके कारण वहाँ के लोगों का जीवन ठप्प हो जाता है । कई बार तो कई हफ्तों तक बिजली नहीं रहती है, जिसके कारण छोटे-छोटे व्यवसाय ठप्प हो जाते हैं । सिराज, बंजार, कुल्लु जैसे बहुत सारे विधान सभा क्षेत्र हैं, जहाँ इस तरह की समस्या है ।

मैं आपके माध्यम से, सरकार और हिमाचल प्रदेश इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड से विनम्र अनुरोध करती हूँ कि जिन एरियाज में पार्शियल इलेक्ट्रिफिकेशन है, वहाँ पर जल्दी से 100 परसेंट इलेक्ट्रिफिकेशन किया जाए । इसके साथ ही, they should strengthen their infrastructure network. They should definitely strengthen that. इसके साथ ही, मैं कहना चाहूंगी कि हमारे नेतृत्व का जो विज़न है कि हरेक नागरिक को इलेक्ट्रिसिटी मिलनी चाहिए, regardless of geographical constraints, तभी हम लोग इस विज़न को पा सकेंगे । धन्यवाद ।